खुशनसीब हैन्स

ग्रिम ब्रदर्स

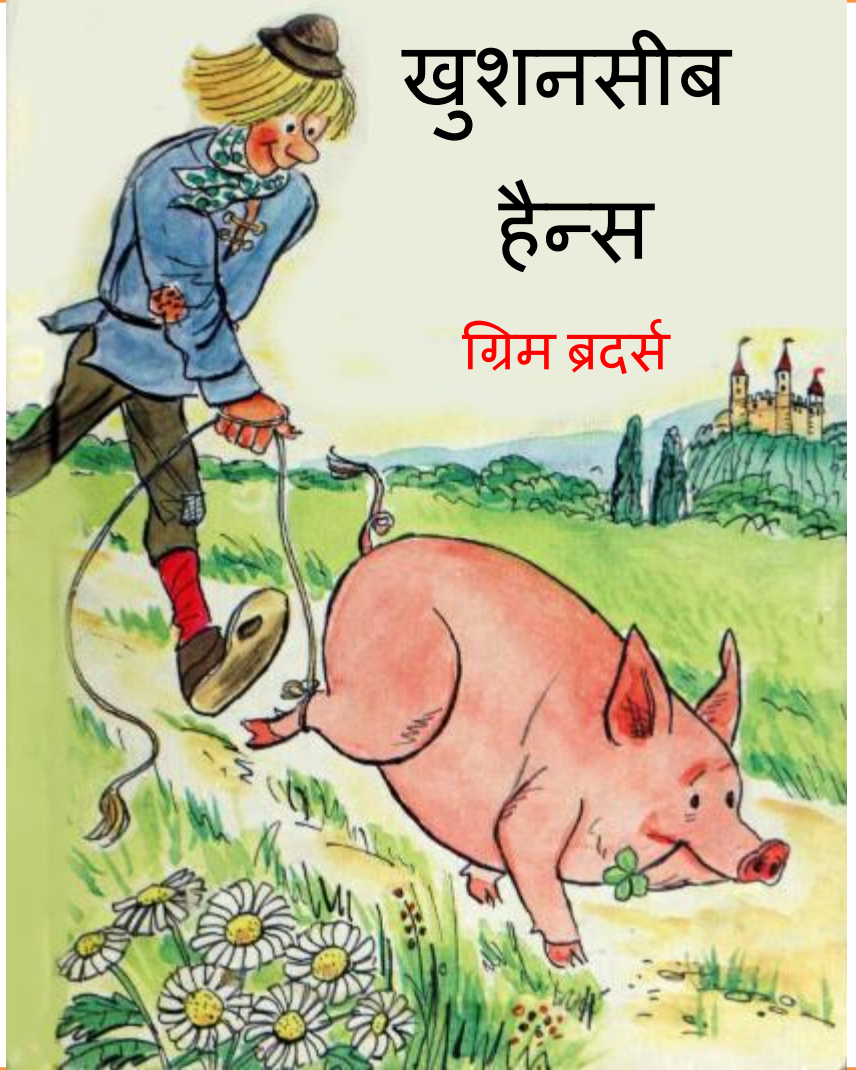

खुशनसीब हैन्स

ग्रिम ब्रदर्स

हैन्स ने अपने मालिक की सात साल सेवा की थी.
"अब माँ को देखने का समय आ गया है," हैन्स ने मालिक से कहा.
मालिक ने कहा, "तुमने मेरी बहुत अच्छी सेवा की है. यह रहा तुम्हारा वेतन."
और फिर मालिक ने हैन्स को सोने का एक बड़ा टुकड़ा दिया जो लगभग हैन्स के सिर जितना बड़ा था.

हैन्स ने अपनी चादर में सोने को बांधा.
फिर उसे अपने कंधे पर लादकर वो
अपने घर के लिए रवाना हुआ.

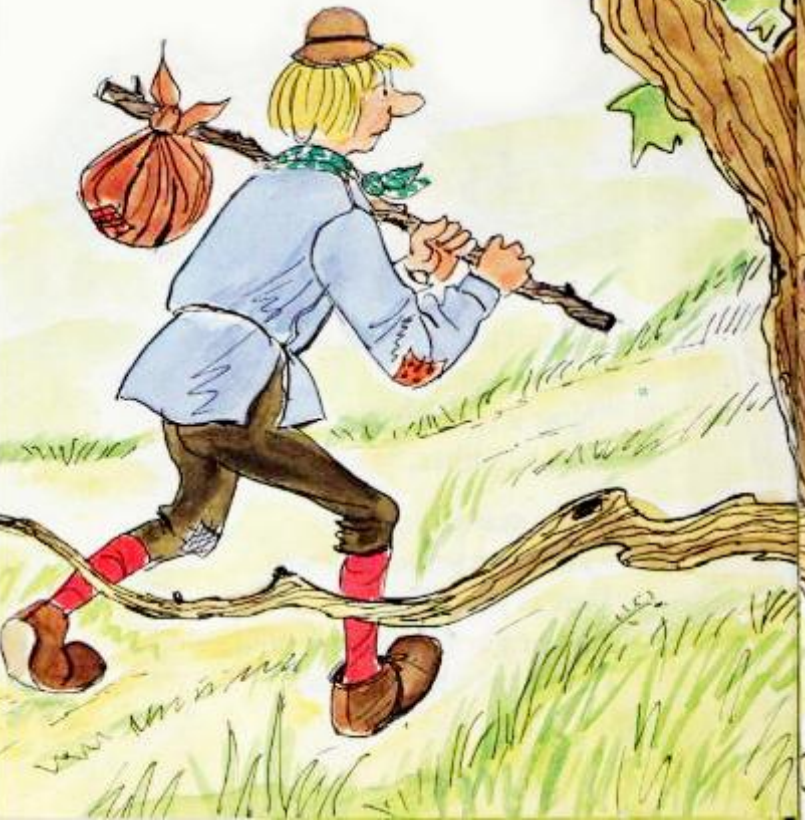

कुछ देर बाद वो भारी सोना
ढोते-ढोते थक गया. उसे सामने
से एक घुड़सवार आता हुआ दिखा.

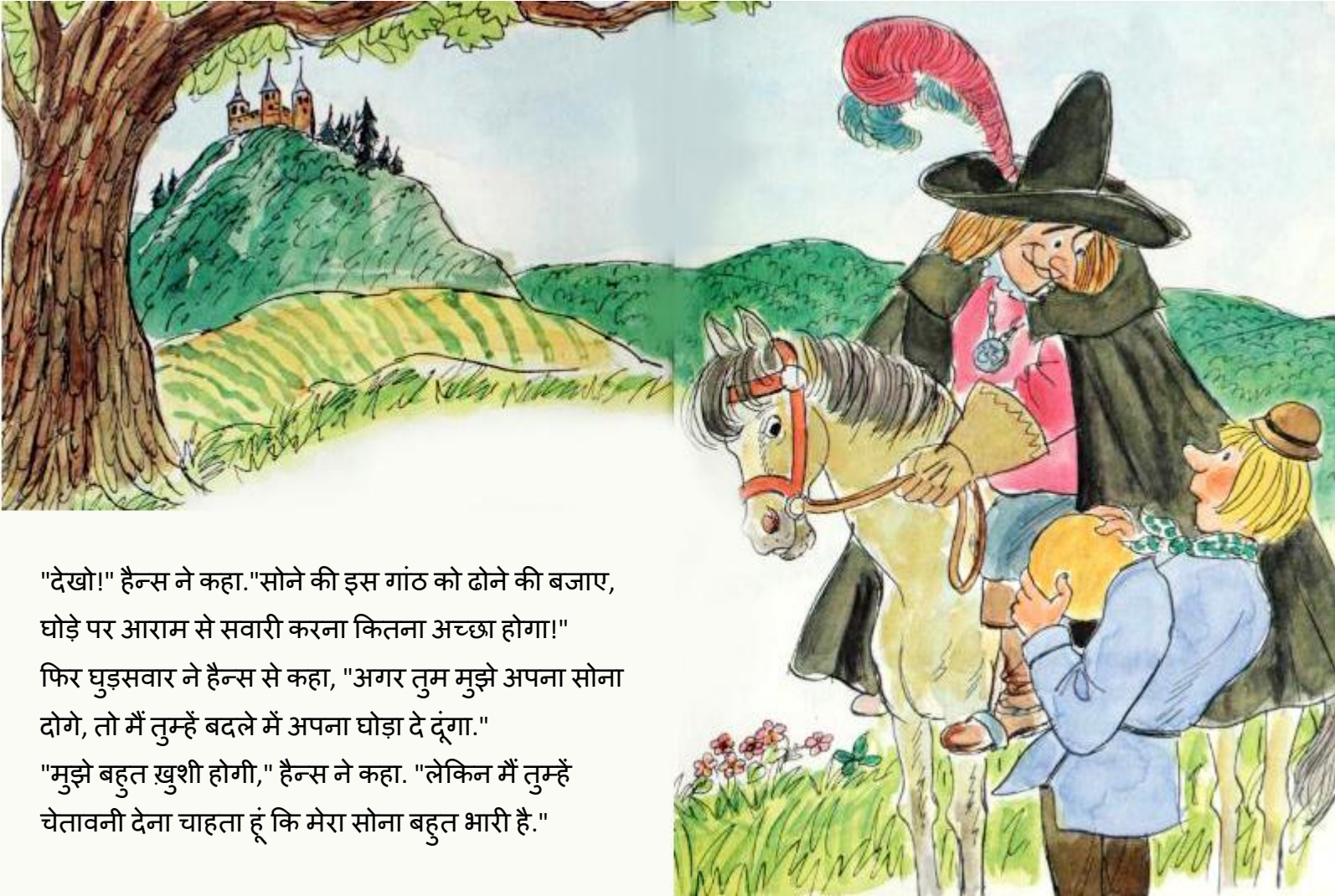

"देखो!" हैन्स ने कहा."सोने की इस गांठ को ढोने की बजाए, घोड़े पर आराम से सवारी करना कितना अच्छा होगा!"
फिर घुड़सवार ने हैन्स से कहा, "अगर तुम मुझे अपना सोना दोगे, तो मैं तुम्हें बदले में अपना घोड़ा दे दूंगा."
"मुझे बहुत ख़ुशी होगी," हैन्स ने कहा. "लेकिन मैं तुम्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि मेरा सोना बहुत भारी है."

घुड़सवार घोड़े से उतरा और उसने सोना लिया. फिर उसने हैन्स की घोड़े पर चढ़ने में मदद की. अंत में घुड़सवार ने कहा, "जब तुम तेज़ गति से जाना चाहो तो अपनी जीभ क्लिक करके घोड़े से कहना, 'गी-अप!' और फिर वो सरपट भागेगा!"

हैन्स घोड़े पर सवार होकर बेहद खुश हुआ. कुछ देर बाद उसने तेज़ स्पीड से जाने का मन बनाया. फिर उसने अपनी जीभ क्लिक की और कहा, 'गी-अप!'!"

घोड़ा सरपट भागने लगा. हैन्स उसे काबू नहीं कर पाया
और कुछ देर बाद वो धड़ाम से एक गड्ढे में जाकर गिरा!

सौभाग्यवश एक किसान अपनी गाय के साथ सड़क पर आ रहा था. उसने घोड़े को भागने से पहले पकड़ ही लिया. हैन्स ने बड़ी मुश्किल से खुद को गड्ढे में से खींच कर बाहर निकाला. अब वो काफी दुखी लग रहा था.

"मैंने कभी भी ऐसे घोड़े की सवारी नहीं की, जो मेरी गर्दन को तोड़ने की कोशिश करे," हैन्स ने किसान से कहा. "अब मैं तुम्हारी तरह गाय के पीछे धीरे-धीरे चलूँगा जो हर दिन मुझे कम-से-कम दूध, मक्खन और पनीर तो देगी."

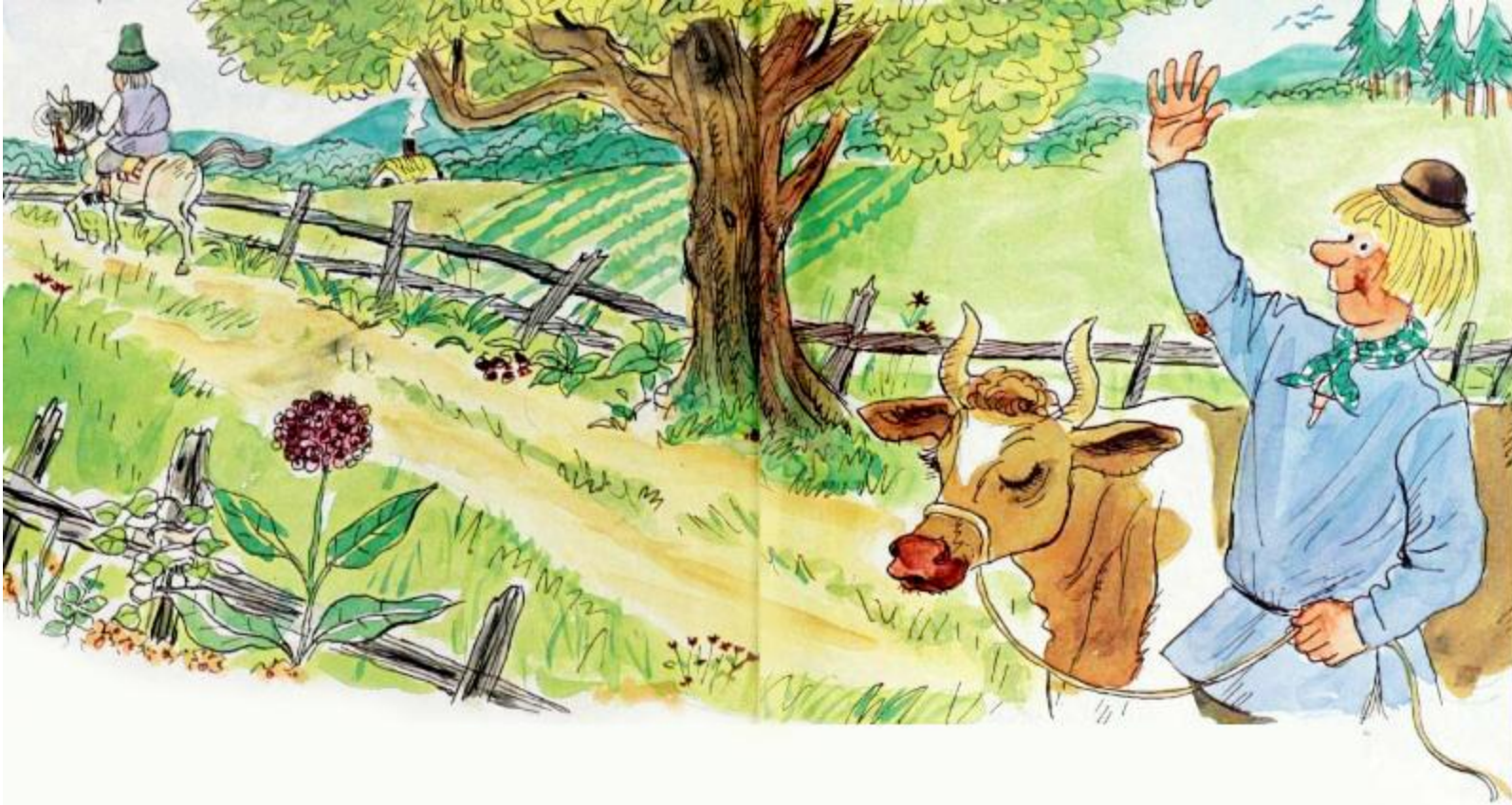

"देखो," किसान ने हैन्स से कहा."मैं तुम्हारी इसमें ज़रूर मदद करूंगा. मैं ख़ुशी से घोड़े के बदले तुम्हें अपनी गाय दूंगा."

हैन्स इस सौदे के लिए खुशी-खुशी राजी हो गया. किसान ने हैन्स के अच्छे दिन की कामना की. फिर वो घोड़े पर सवार हुआ और जल्द ही आँखों से ओझल हो गया.

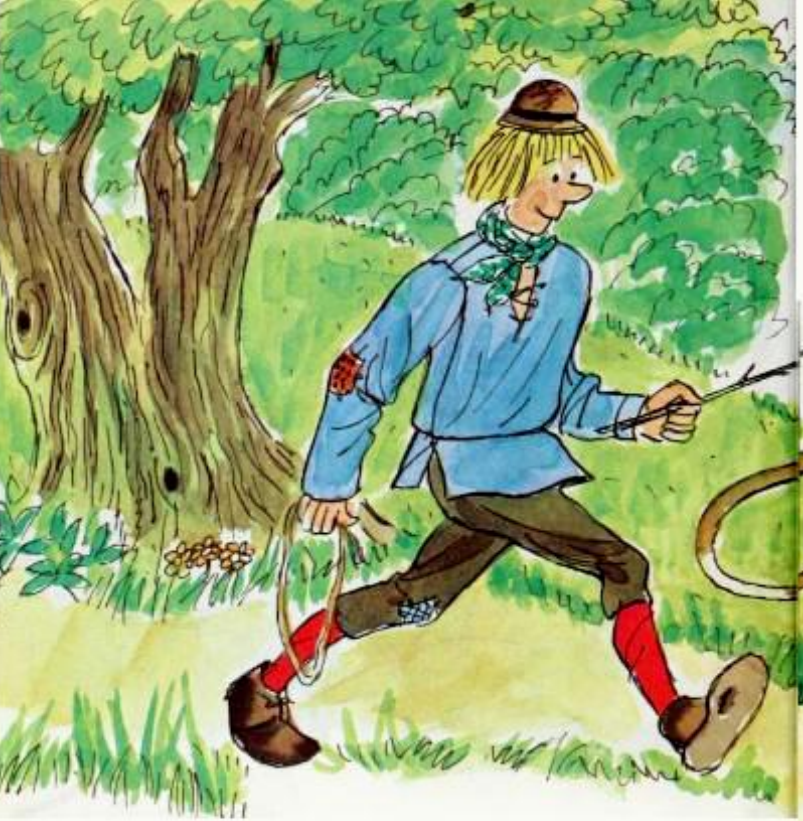

फिर हैन्स, गाय के पीछे-पीछे चुपचाप चला.
हैन्स इस सौदे के लिए खुद को बहुत भाग्यशाली मान रहा था.

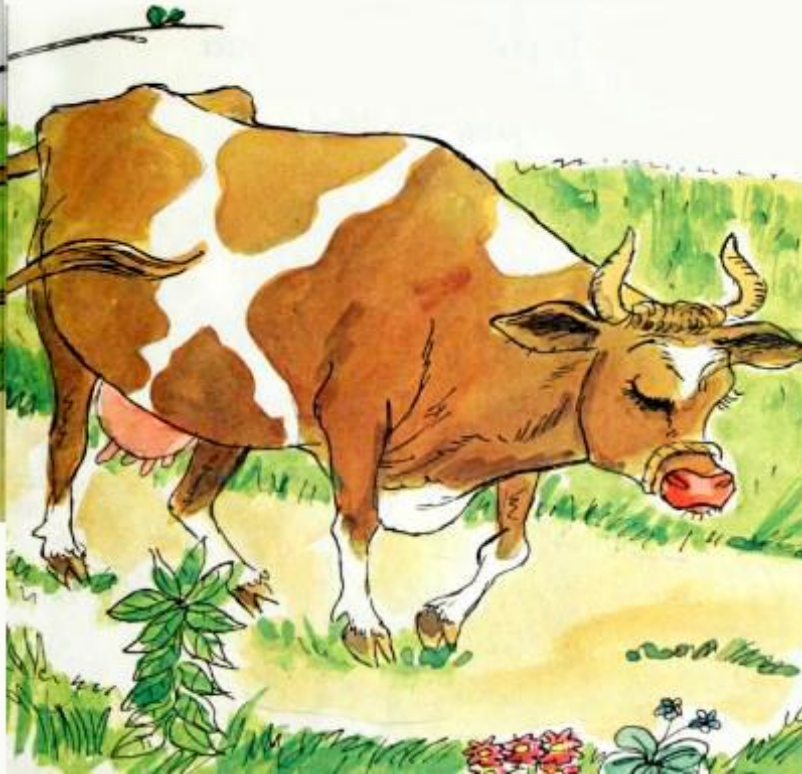

"अब मुझे हमेशा अपनी रोटी के लिए मक्खन और पनीर मिलेगा, और जब प्यास लगेगी तो दूध पीने को मिलेगा. मैं भला, इससे ज़्यादा और क्या चाह सकता हूँ?"

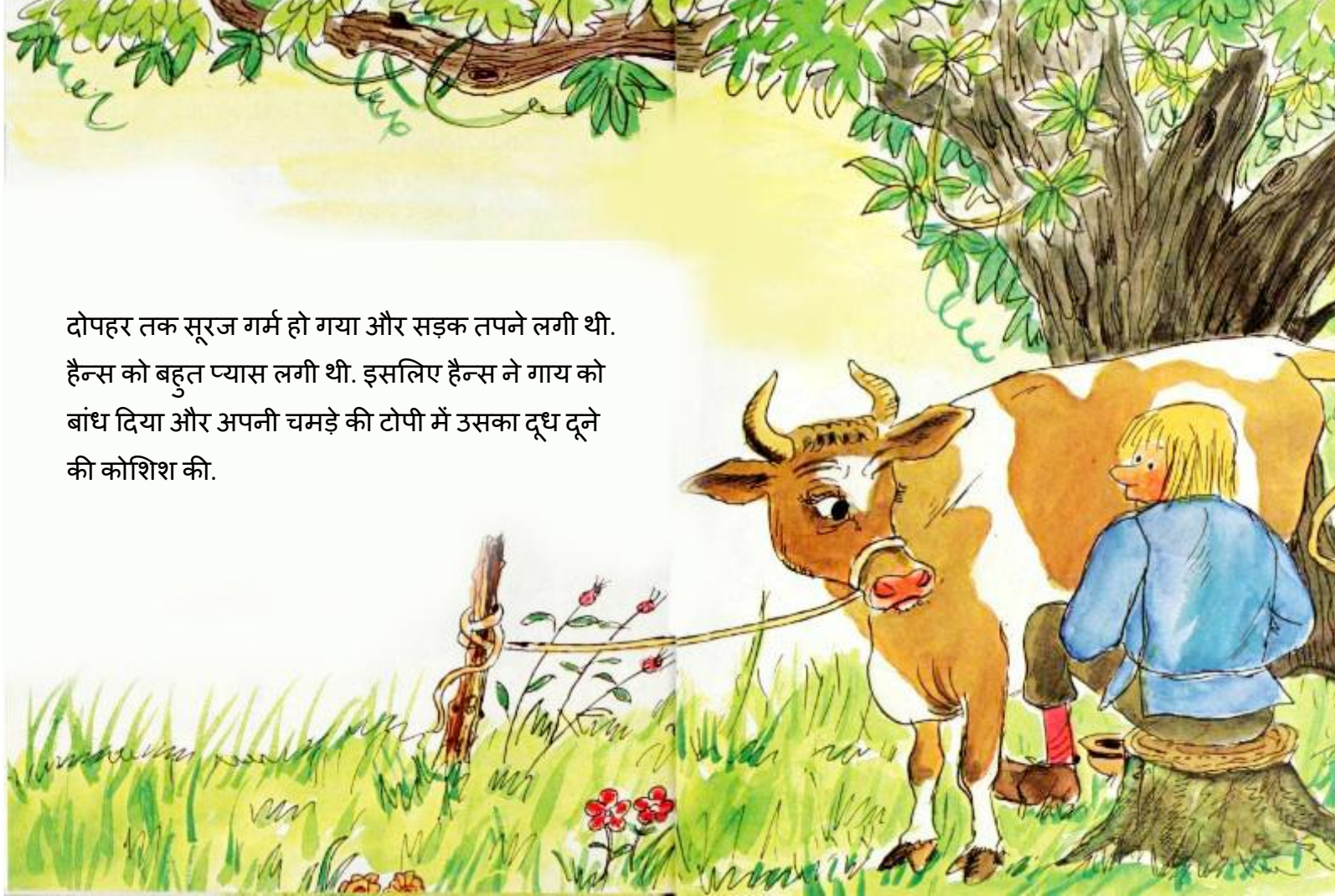

दोपहर तक सूरज गर्म हो गया और सड़क तपने लगी थी. हैन्स को बहुत प्यास लगी थी. इसलिए हैन्स ने गाय को बांध दिया और अपनी चमड़े की टोपी में उसका दूध दूने की कोशिश की.

लेकिन गाय के थनों से दूध की एक बूंद भी नहीं निकली.
उसकी बजाए गाय ने हैन्स को एक दुलत्ती मारी जिससे
वो जमीन पर चित्त गिर पड़ा.

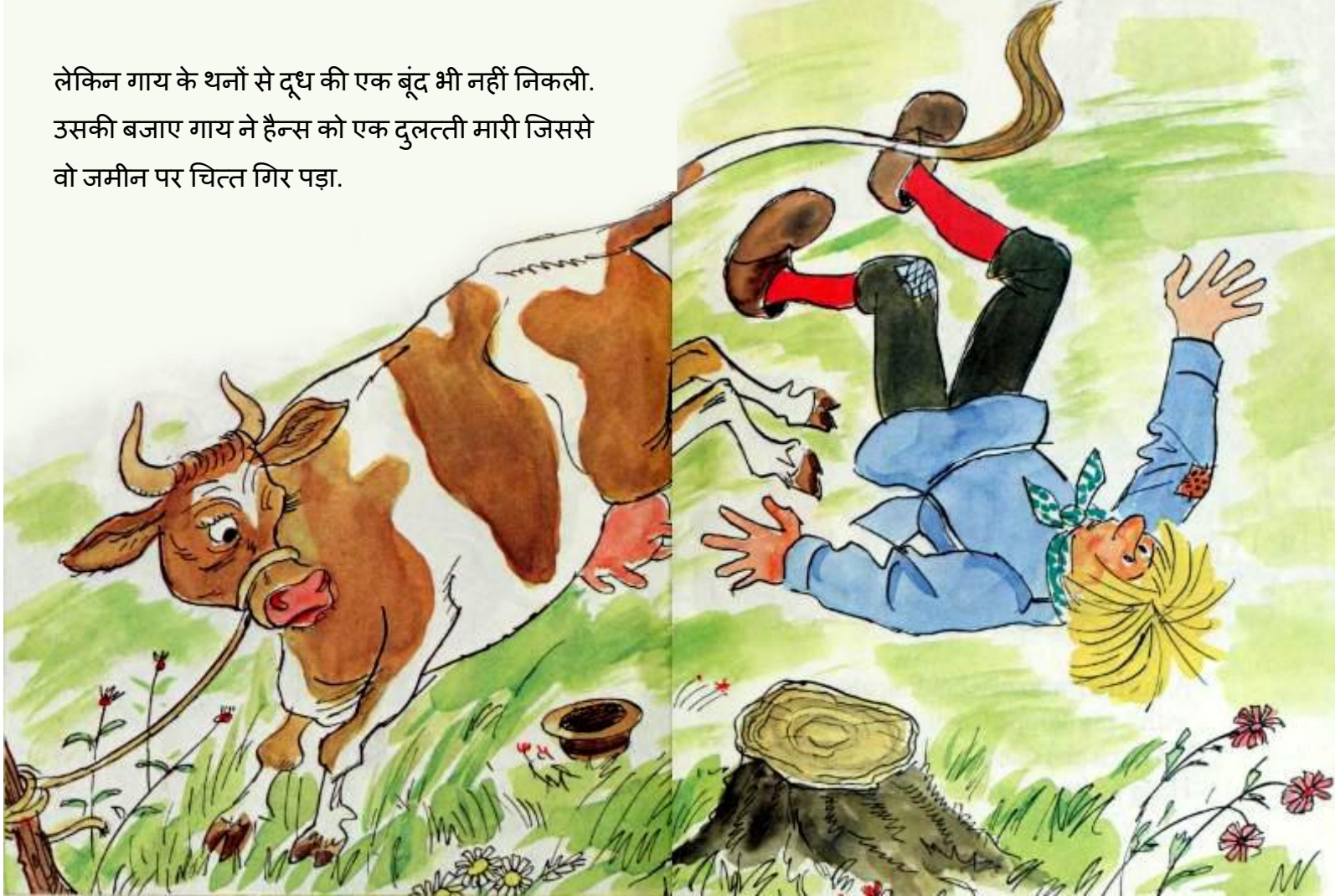

तभी सड़क पर एक कसाई अपने सुअर के साथ आ रहा था. कसाई रुका और उसने पूछा. "क्या हुआ?" हैन्स ने बिना समय बर्बाद किए कसाई को पूरी कहानी सुनाई.

"मेरे पास पानी है, लो पियो," कसाई ने कहा. "क्या तुम अपनी बूढ़ी गाय के बदले मेरे मोटे सुअर को लेना चाहोगे?"

"तुम वाकई में एक दयावान इंसान हो!" हैन्स ने कसाई के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा. फिर उसने अपनी गाय सौंप दी और कसाई का सुअर ले लिया.

हैन्स को सुअर के साथ दौड़ते हुए लगा कि वो कितना भाग्यशाली था.

थोड़ी देर बाद उसकी मुलाकात एक शख्स से हुई,
जो सफेद रंग की मोटी बत्तख लेकर जा रहा था.
हैन्स को वो आदमी काफी मिलनसार लगा,
इसलिए हैन्स ने उसे अपने भाग्यशाली सौदों के बारे
में सब कुछ बताया.

आदमी ने उसे बताया कि वो अपनी बत्तख को बाजार
ले जा रहा था.
"ज़रा उठाकर देखो, मेरी बत्तख कितनी भारी है!"
"हाँ, सच में," हैन्स ने कहा."लेकिन मेरा सुअर भी
काफी अच्छा और मोटा-ताज़ा है."

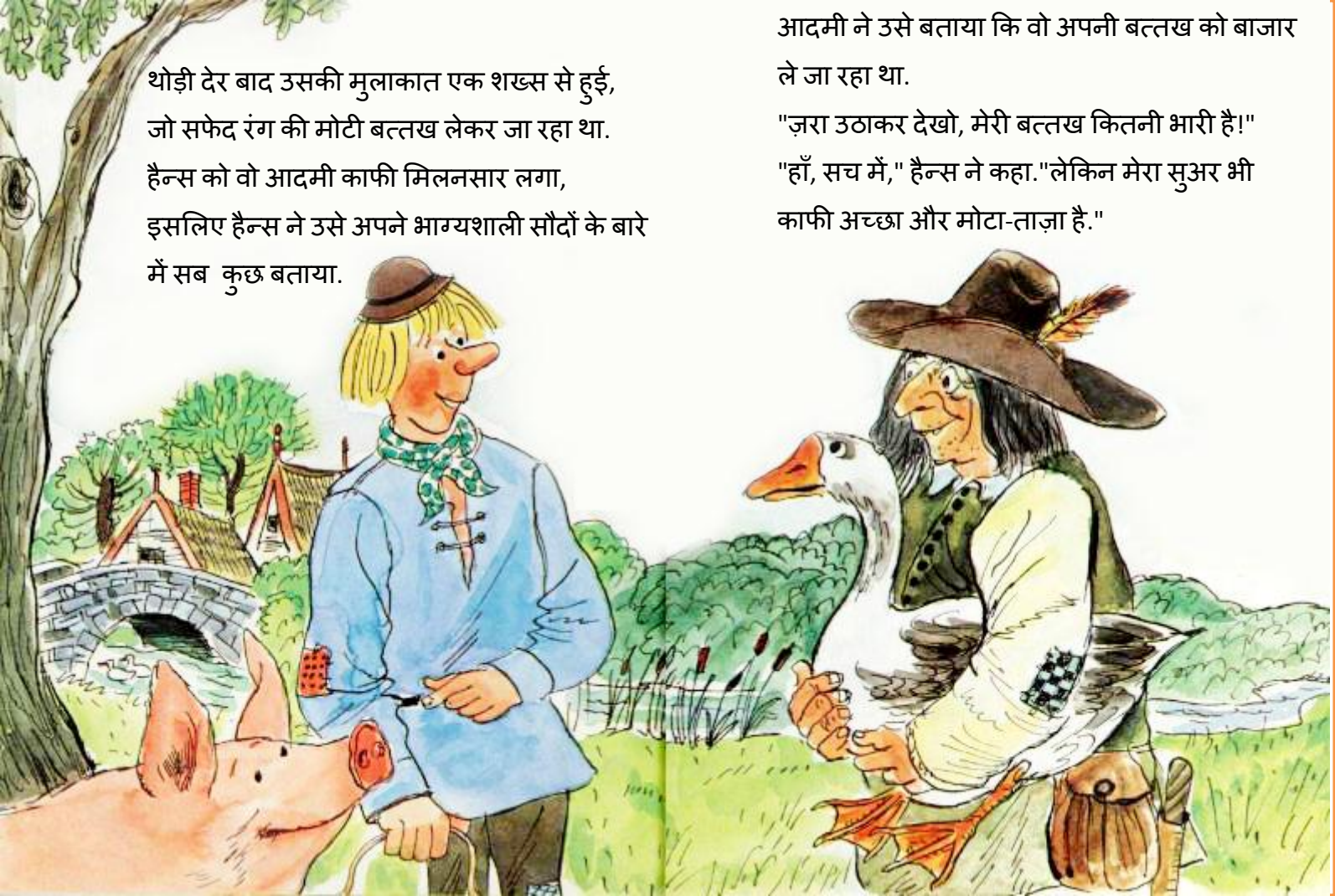

फिर उस आदमी ने चारों ओर देखा और हैन्स के कानों में फुसफुसाया, "मैं तुम्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि यह सुअर तुम्हें मुसीबत में डाल सकता है. मैंने सुना है कि अगले गांव में एक सुअर चोरी हुआ है. वहां हर कोई चोर को तलाश रहे हैं."

यह सुनकर बेचारा हैन्स डर के मारे पीला पड़ गया. "भगवान की खातिर, मेरी मदद करो. मैं यहां एक अजनबी हूं. मेरा सुअर ले लो और तुम मुझे अपनी बत्तख दे दो."

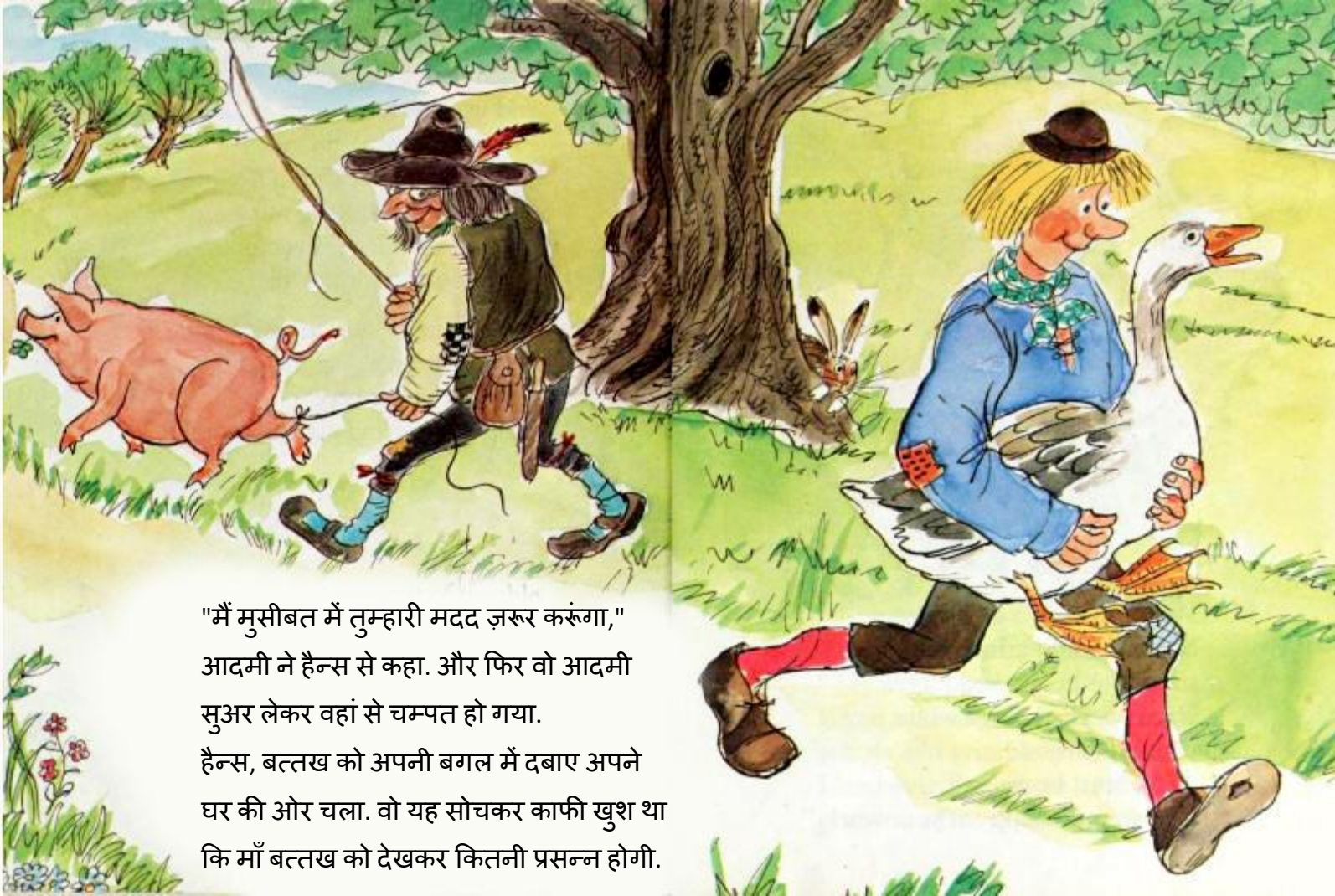

"मैं मुसीबत में तुम्हारी मदद ज़रूर करूंगा,"
आदमी ने हैन्स से कहा. और फिर वो आदमी
सुअर लेकर वहां से चम्पत हो गया.
हैन्स, बत्तख को अपनी बगल में दबाए अपने
घर की ओर चला. वो यह सोचकर काफी खुश था
कि माँ बत्तख को देखकर कितनी प्रसन्न होगी.

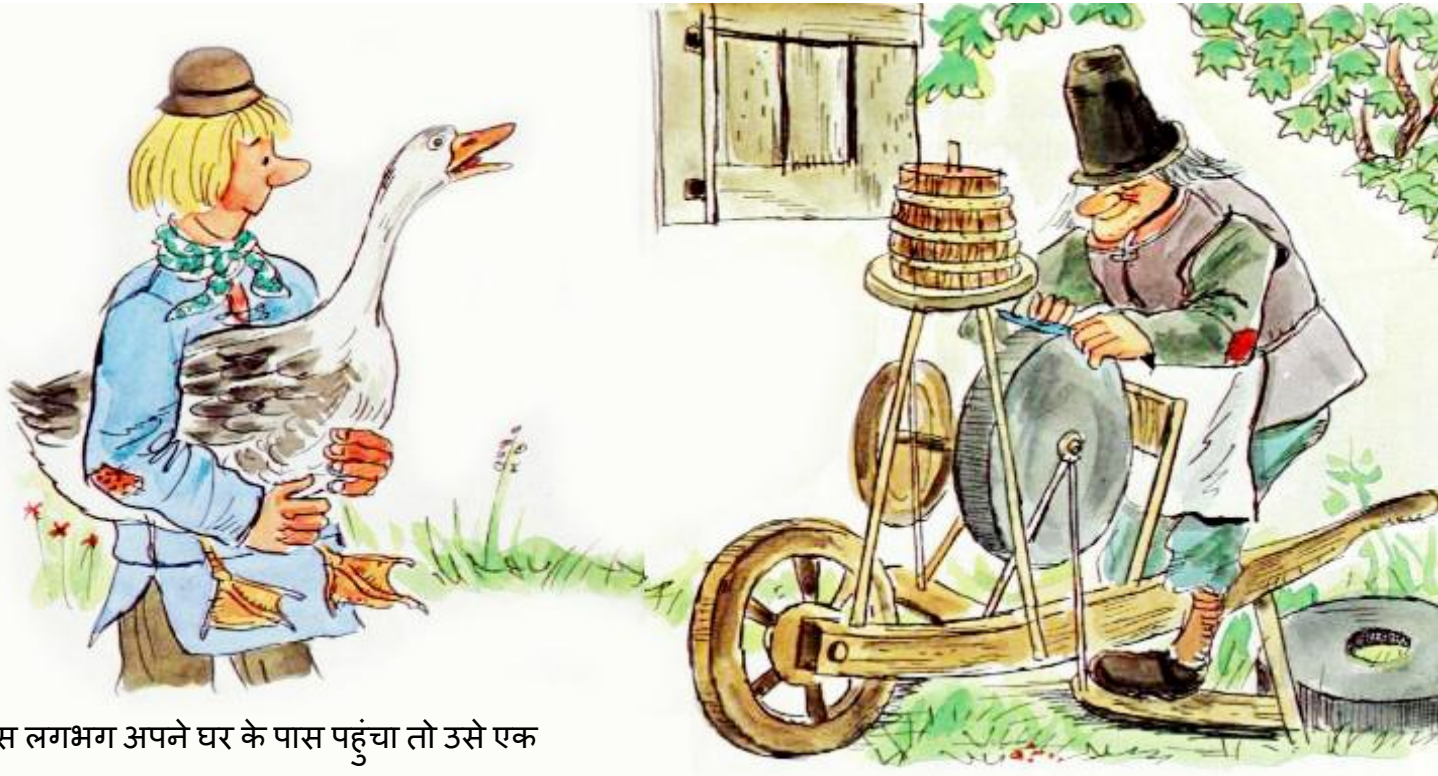

जब हैन्स लगभग अपने घर के पास पहुंचा तो उसे एक चाकू-धार करने वाला दिखा, जो पत्थर से धार लगाते समय ख़ुशी से गाना गा रहा था.

हैन्स ने थोड़ी देर उसे देखा.

आखिर में हैन्स ने कहा, "आप अच्छी कमाई करते होंगे, क्योंकि आप अपने काम से बहुत खुश लगते हैं.”

हाँ," आदमी ने कहा."मैं अपने धंधे से अच्छी कमाई करता हूँ. अगर तुम पैसे कमाना चाहते तो तुम भी मेरी तरह ही चाकुओं पर धार लगाओ. अगर तुम मुझे वो बत्तख दोगे, तो मैं तुम्हें एक अच्छा पत्थर दूंगा."

"अगर मेरी जेब में हमेशा पैसे होंगे तो मैं दुनिया का सबसे खुशहाल आदमी बनूंगा. लो, तुम मेरी बत्तख लो."
फिर उस आदमी ने अपनी गाड़ी में से एक पुराना पत्थर हैन्स को थमा दिया.

हैन्स ने जब पत्थर उठाया तो उसकी आँखें खुशी से चमक उठीं.
"मैं जो कुछ भी चाहता था वो मुझे मिला गया," उसने कहा.

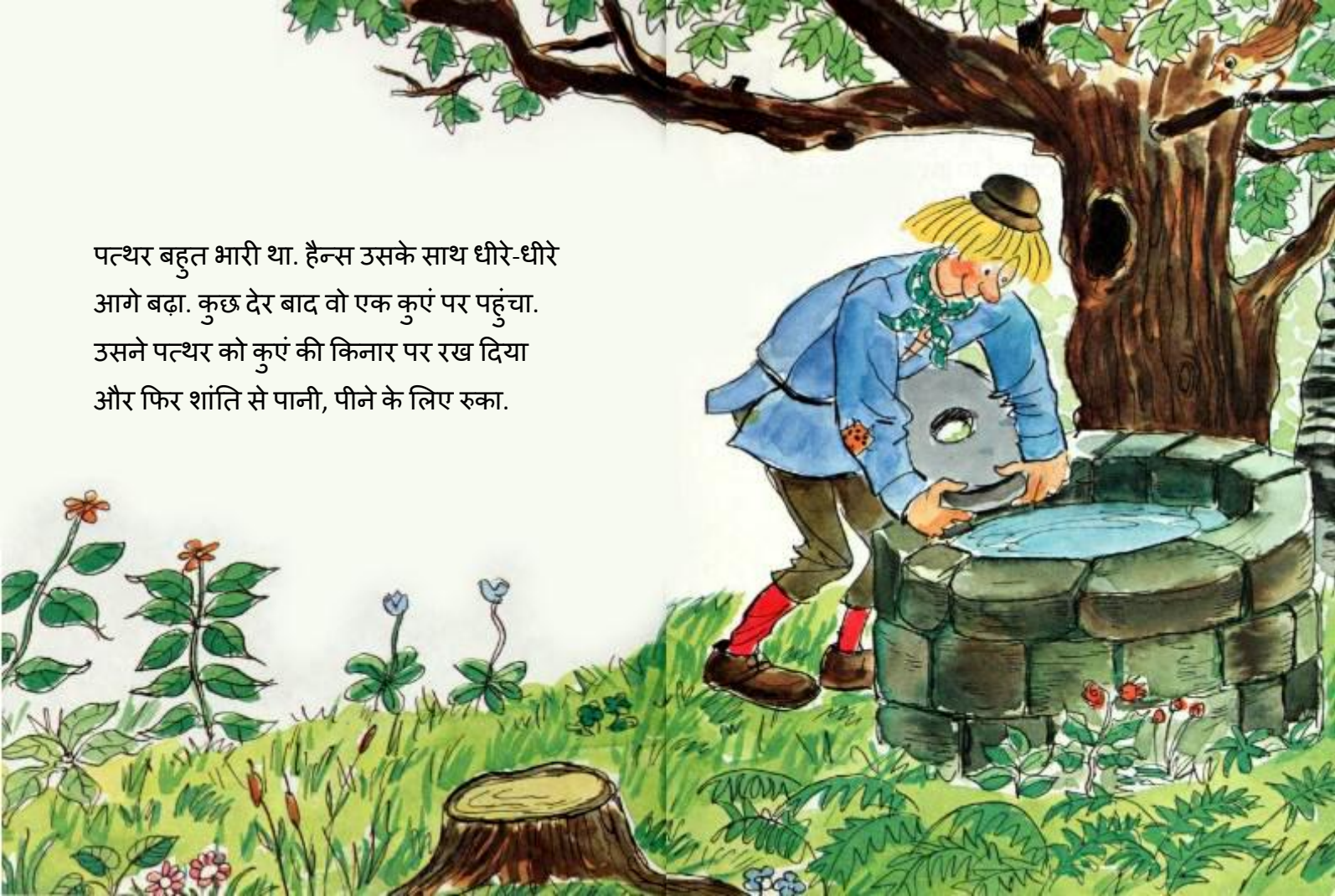

पत्थर बहुत भारी था. हैन्स उसके साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ा. कुछ देर बाद वो एक कुएं पर पहुंचा. उसने पत्थर को कुएं की किनार पर रख दिया और फिर शांति से पानी, पीने के लिए रुका.

जैसे ही हैन्स पानी पीने के लिए नीचे झुका, पत्थर को थोड़ा धक्का लगा, और वो कुएं में जा गिरा.

फिर हैन्स खुशी से उछल पड़ा. वो उस भारी पत्थर से छुटकारा पाकर बहुत खुश था.

"दुनिया में कोई भी मुझ जैसा भाग्यशाली नहीं है," हैन्स चिल्लाया.

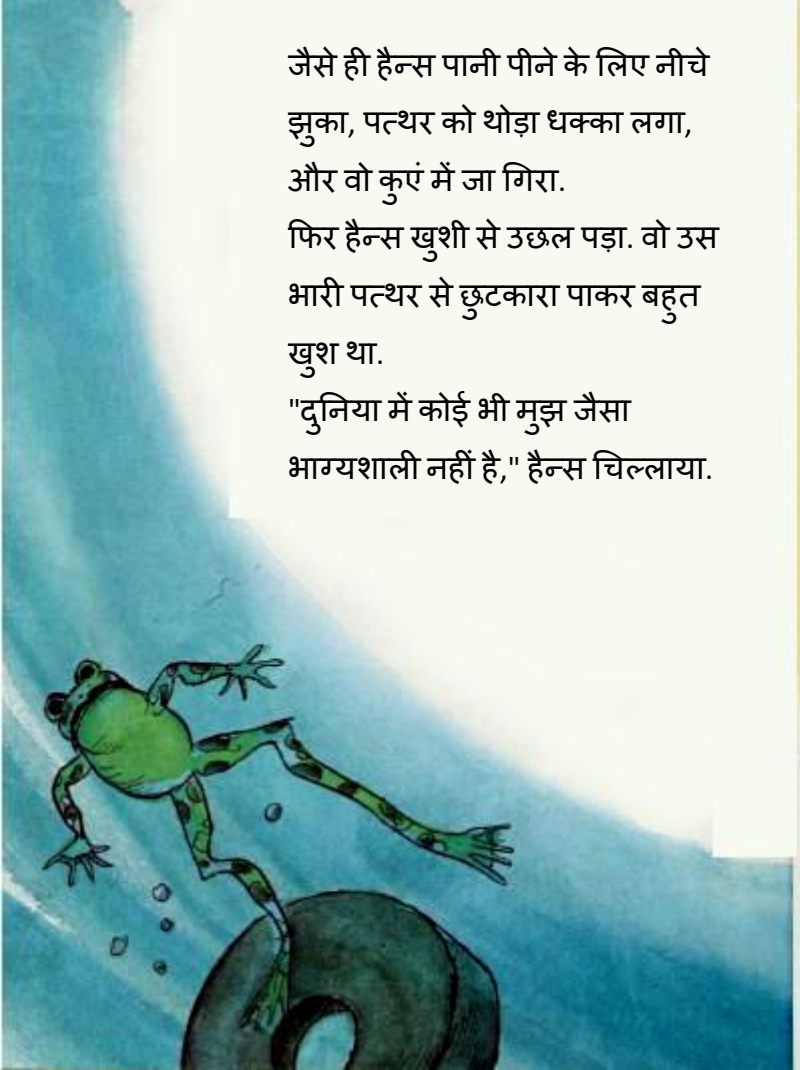

फिर हैन्स बिना किसी चिंता के घर पहुंचा.
वहां उसने खुशी-खुशी मां को अपने अच्छे
भाग्य की पूरी कहानी सुनाई.

समाप्त